DAINIK BHASKAR, Mumbai, 10.11.2023
Page No. 1, Size:(8.76)cms X (3.89)cms.

भास्कर खास • ट्रेनिंग के लिए जापान भेजे जाएंगे पायलट, 20 ड्राइवरों की होगी नियुक्ति; प्रक्रिया शुरू

सूरत-बिलिमोरा के बीच 2026 में चलेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद के बीच बनाई जा रही बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए पायलट (चालक) की खोज नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने शुरू कर दी है। इसके लिए 20 चालक भर्ती किए जाएंगे, जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होगी। आवेदकों के पास वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी एक्सप्रेस या मेट्रो ट्रेन चलाने का तीन साल का अनुभव होना चाहिए। उम्र 35 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयन के बाद इन लोगों का साइकोमेट्रिक-मेडिकल टेस्ट होगा। इसके बाद चयनित लोग बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग के लिए लोग जापान जाएंगे। जापान के अनुभवी चालक तकरीबन साल भर इन्हें प्रशिक्षण देंगे। देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरात के सूरत-बिलिमोरा के बीच अगस्त, 2026 में चलाने का लक्ष्य है। उक्त दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी 50 किमी है। जिन 20 पायलट की नियुक्ति होगी उनमें सामान्य वर्ग के लिए 10, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 5, अनुसूचित जाति के लिए 3 और अनुसूचित जनजाति व आर्थिक रूप से कमजोर (ईओडब्ल्यू) वर्ग के लिए 1-1 पद आरक्षित हैं।

320 किमी प्रति घंटा रफ्तार

अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन 320 किमी प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ेगी। ई5 सीरीज की यह बुलेट ट्रेन हिताची और कावासाकी हैवी इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित जापानी शिंकानसेन हाई-स्पीड ट्रेन जैसी ही है।

फरवरी तक पूरी होगी भर्ती प्रक्रिया

बुलेट ट्रेन पायलट की भर्ती प्रक्रिया फरवरी, 2024 तक पूरी होगी। इस दौरान कई टेस्ट और जांच होगी। अगले साल मई-जून तक इन्हें जापान भेजा जाएगा। वहां पर पहले सिमुलेटर और क्लास रूम ट्रेनिंग होगी। इसके बाद बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। जापान के ट्रेनर ही इन्हें सर्टिफिकेट देंगे। पायलट को 40 हजार से 1.25 लाख रुपए मूल वेतन मिलेगा।

- मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के लिए 20 पायलट की नियुक्ति के लिए 7 दिसंबर तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद फिटनेस, मेडिकल टेस्ट भारत में किया जाएगा। इसमें जापान के विशेषज्ञ हमारी मदद करेंगे। चयनित लोग साल भर की ट्रेनिंग के लिए जापान भेजे जाएंगे। -**प्रवक्ता**, एनएचआरसीएल

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 10.11.2023
Page No. 10, Size:(8.76)cms X (3.89)cms.

जापान में ट्रेनिंग पाए पायलट चलाएंगे देश की पहली बुलेट ट्रेन

20 पायलट भेजे जाएंगे पहले बैच में | इससे पहले सिखाई जाएगी जापानी लैंग्वेज

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

नई दिल्ली: मुंबई से गुजरात के साबरमती तक 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन के लोको पायलट (LP) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन पायलटों को दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन मैनेजमेंट से ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ट्रेनिंग पीरियड एक साल का होगा। पायलटों को जापान भेजने से पहले जापानी लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी, ताकि ट्रेनिंग के दौरान इन्हें कोई दिक्कत न हो।

नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि जो भी LP सेलेक्ट होंगे, उन्हें भारतीय रेल या मेट्रो चलाने का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। मानसिक और शारीरिक तौर पर वे एकदम स्वस्थ होने चाहिए। कुछ बातों को छोड़ दें तो भर्ती का क्राइटेरिया भारतीय रेलवे जैसा होगा। पहले बैच में 20 हाई स्पीड ट्रेन पायलटों की भर्ती की जा रही है। उम्मीद है कि अगले साल जनवरी-फरवरी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

2026 तक 50 किमी रूट पर दौड़ने लगेगी

- बुलेट ट्रेन का पहले चरण में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा वाले 50 किमी के रूट पर ट्रायल रन होगा। अगस्त 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।
- 2027 तक बुलेट ट्रेन की सर्विस बड़े रूट तक शुरू कर हो जाएगी। मुंबई से साबरमती तक 12 स्टेशन होंगे।
- इनमें सीमित स्टेशनों पर रुकते हुए यह ट्रेन 508 किलोमीटर की दूरी दो घंटे सात मिनट और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए यह दूरी दो घंटे 58 मिनट में पूरा करेगी।

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

जापान के बुलेट ट्रेन सिस्टम को क्यों अपना रहा भारत?

देश की पहली बुलेट ट्रेन को चलाने के लिए तेजी से काम चल रहा है। कुल 508 किलोमीटर के रूट में से 352 किलोमीटर पर काफी काम हो चुका है। एक्सपर्ट का कहना है कि इस रूट पर कामयाबी मिलने के बाद देश के अन्य रूटों पर भी बुलेट ट्रेन दौड़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसकी अधिकतम स्पीड 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी, लेकिन यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। तेज रफ्तार के साथ ही सुरक्षा से समझौता न हो, इसके लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली शिनकानसेन बुलेट ट्रेन सिस्टम को अपनाया जा रहा है। 1964 से शुरू इस ट्रेन सिस्टम से आज तक एक भी यात्री की मौत नहीं होने का दावा किया गया है। ऐसे में भारत अपनी तरफ से बेस्ट सिस्टम को अपनाते हुए देश में बुलेट ट्रेन को लॉन्च करने की तैयारी में है।

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 11.11.2023
Page No. 1, Size:(13.37)cms X (12.49)cms.

जापान में ट्रेनिंग लेने के बाद भारत की पहली बुलेट ट्रेन चलाएंगे लोको पायलट

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** मुंबई से साबरमती (गुजरात) तक 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन के लोको पायलट (LP) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन पायलटों को दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन मैनेजमेंट से ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ट्रेनिंग पीरियड एक साल का होगा। पायलटों को जापान भेजने से पहले जापानी लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी, ताकि ट्रेनिंग के दौरान इन्हें कोई दिक्कत न हो। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि जो भी LP सिलेक्ट होंगे, उन्हें भारतीय रेल या मेट्रो चलाने का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। मानसिक और शारीरिक तौर पर वे एकदम स्वस्थ होने चाहिए। कुछ बातों को छोड़ दें तो भर्ती की तमाम क्राइटेरिया भारतीय रेलवे जैसी होगी। पहले बैच में 20 हाई

स्पीड ट्रेन पायलटों की भर्ती की जा रही है। उम्मीद है कि अगले साल जनवरी-फरवरी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। मई-जून 2024 तक पायलटों के पहले बैच को शिनकानसेन बुलेट ट्रेन से ट्रेनिंग दिलाने के लिए जापान भेज दिया जाएगा। बुलेट ट्रेन का पहले चरण में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा वाले 50 किलोमीटर के रूट पर ट्रायल रन होगा। इसके अगस्त 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। 2027 तक बुलेट ट्रेन की सर्विस बड़े रूट तक शुरू कर हो जाएगी। मुंबई से साबरमती तक 12 स्टेशन होंगे।

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

जापान के सिस्टम को क्यों अपना रहा भारत?

देश की पहली बुलेट ट्रेन को चलाने के लिए तेजी से काम चल रहा है। इस रूट पर कामयाबी मिलने के बाद देश के अन्य रूटों पर भी बुलेट ट्रेन दौड़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा। अधिकतम स्पीड 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी, लेकिन यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। तेज रफ्तार के साथ ही सुरक्षा से समझौता न हो, इसके लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली शिनकानसेन बुलेट ट्रेन सिस्टम को अपनाया जा रहा है। 1964 से शुरू इस ट्रेन सिस्टम से आज तक एक भी यात्री की मौत नहीं होने का दावा किया गया है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 18.11.2023
Page No. 2, Size:(10.97)cms X (8.48)cms.

कवायद • 7 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन, फरवरी में की जा सकती है नियुक्ति

बुलेट ट्रेन के लिए 20 पायलट्स की होगी भर्ती, जापान में दी जाएगी ट्रेनिंग

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

अमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के लिए 20 पायलट्स की भर्ती की जाएगी। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने पायलट भर्ती की कवायद शुरू कर दी है। आवेदन करने की अंतिम तारीख 7 दिसंबर, 2023 है। सरकार की योजना साल 2026 में सूरत से बिलीमोरा के बीच 50 किमी हाई स्पीड कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन शुरू करने की है। जिन 20 पायलट की नियुक्ति की जाएगी, उन्हें साइकोमेट्रिक टेस्ट के अलावा कठिन मेडिकल टेस्ट से गुजरना होगा। आवेदकों को वंदेभारत, राजधानी, शताब्दी या मेट्रो ट्रेन चलाने का करीब 3 साल का अनुभव होना जरूरी है। सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद पायलट्स को जापान में बुलेट ट्रेन की ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। वहां पर करीब एक साल जापान के बुलेट ट्रेन चालक उन्हें बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग देंगे। एनएचएसआरसीएल की योजना बुलेट ट्रेन पायलट की नियुक्ति से संबंधित सभी कागजी और मेडिकल टेस्ट प्रक्रिया फरवरी 2024 तक पूरी करने की है। उन्हें मई-जून तक जापान ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। वहां पर पहले सिमुलेटर और क्लास रूम ट्रेनिंग दी जाएगी। उसके बाद उन्हें जापान की बुलेट ट्रेन चलाने के लिए एक साल ट्रेनिंग दी जाएगी। जापान के ट्रेनर ही उन्हे सर्फिफाइड करेंगे। भारत में मेडिकल टेस्ट और साइकोमेट्रिक टेस्ट सहित अन्य नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने में जापान के एक्सपर्ट पूरी मदद करेंगे।

बुलेट ट्रेन के पायलट की भर्ती में कोटा

कैटेगरी	जगह
यूआर	10
ओबीसी	05
एससी	03
एसटी	01
ईडब्ल्यू	01

NAV-BHARAT, Mumbai, 18.11.2023
Page No. 4, Size:(10.65)cms X (6.59)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम फास्ट

लोको पायलट की भर्ती शुरू, आवेदकों को 3-4 महीने भारत में जापानी भाषा की ट्रेनिंग दी जाएगी

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को अधिक रफ्तार मिल गई है, क्योंकि बुलेट ट्रेन चलाने के लिए लोको पायलट की वैकेंसी निकली गई है. देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद रूट पर चलाई जाएगी और इसे 3 साल से अधिक एक्सपीरियंस वाले मोटरमैन चलाएंगे. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने बुलेट ट्रेन चलाने के लिए 20 ड्राइवरों की भर्ती के लिए रेलवे मोटरमैन, लोको पायलट, मेट्रो ड्राइवरों से आवेदन के लिए आमंत्रित किया है. आवेदन करने वाले उम्मीदवारों में से 20 को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और उन्हें जापान में बुलेट ट्रेन चलाने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी.

जल्द काम पूर्ण होने की ओर

गुजरात में इस वक्त मुंबई से अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम चल रहा है और यह दावा किया गया है कि यह प्रोजेक्ट 2027 तक पूरा हो जाएगा.

कठिन होगी ट्रेनिंग, 7 दिसंबर तक आवेदन

इसके मुताबिक, योग्य उम्मीदवार 7 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं. इस बीच नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारी ने बताया कि चयनित आवेदकों को पहले भारत में जापानी भाषा की ट्रेनिंग दी जाएगी और फिर उन्हें जापान में प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके अलावा, रोलिंग स्टॉक, रोलिंग स्टॉक डिपो, डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस और आर्किटेक्चर के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. नएचएसआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह ट्रेनिंग थोड़ी कठिन होगी. इस वजह से हम नए लोगों को ले रहे हैं, जिनके पास 3 साल का एक्सपीरियंस हो. चयनित आवेदकों को पहले 3-4 महीने भारत में जापानी भाषा की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि उन्हें जापानी भाषा समझ में आए क्योंकि जापान के लोको पायलट जापानी ही बोलते हैं, उन्हें अंग्रेजी नहीं आती है. भारत के बाद उन्हें बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग और एथिक्स को सीखने के लिए जापान भेजा जाएगा. यह ट्रेनिंग करीब 1 साल में पूरी हो जाएगी. ट्रेनिंग के दौरान वेतन भी दिया जाएगा.

20 ड्राइवरों की शुरू हुई भर्ती | **04** माह में सीखेंगे जापानी भाषा

2027 तक पूरा हो जाएगा प्रोजेक्ट | **12** स्टेशन होंगे बुलेट ट्रेन के

ऐसा होगा रूट

■ इस बीच एनएचएसआरसीएल ने बुलेट ट्रेन ऑपरेटरों और ड्राइवरों की नियुक्ति के लिए तैयारी भी शुरू कर दी है और इसी संबंध में रेलवे मोटरमैन, लोको पायलट, मेट्रो ड्राइवरों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से शुरू होकर बुलेट ट्रेन अंतिम गंतव्य अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन तक जाएगी.

■ यह गुजरात के 8 जिलों, महाराष्ट्र के 3 जिलों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव से होकर गुजरेगी. बुलेट ट्रेन में 12 स्टेशन होंगे, जिनमें मुंबई का बीकेसी, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती स्टेशन पर रुकेगी.

DIVYA BHASKAR, Surat, 18.11.2023
Page No. 4, Size:(7.90)cms X (10.25)cms.

Recruitment of 20 pilots for bullet train, training will be done in Japan

2026માં સુરત-બીલીમોરા વચ્ચે ટ્રાયલ થશે

બુલેટ ટ્રેન માટે 20 પાયલટની ભરતી, ટ્રેનિંગ જાપાનમાં થશે

ઉમેદવારો 7 ડિસેમ્બર સુધીમાં ફોર્મ ભરી શકશે

ટ્રાન્સપોર્ટ રિપોર્ટર | સુરત

નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન અમદવાદ-મુંબઈ વચ્ચે દોડનારી બુલેટ ટ્રેનના લોકો-પાયલટની ભરતી કરવા જઈ રહી છે. પસંદગી પામનારા ઉમેદવારોને જાપાનમાં શિંનકાનસેન કંપનીમાં બુલેટ ટ્રેન મેનેજમેન્ટ મારફત ટ્રેનિંગ અપાશે. જો કે, આ ટ્રેનિંગમાં મોકલતા પહેલાં લોકો-પાયલટને જાપાની ભાષા શીખવાડાશે. લોકો-પાયલટની ટ્રેનિંગનો પીરિયડ એક વર્ષનો રહેશે. અહીં વાત એમ છે કે, નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન 20 લોકો-પાયલટની ભરતી કરનાર છે અને ફોર્મ ભરવાની છેલ્લી તારીખ 7 ડિસેમ્બર છે. વર્ષ-2026માં અમદવાદ મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનની પ્રથમ ટ્રાયલ સુરત-બીલીમોરા વચ્ચે 50 કિમીમાં કરવામાં આવશે.

અનુભવ અને પગાર ધોરણ

આ માટે વંદે ભારત, રાજધાની, શતાબ્દી સહિતની મેલ એક્સપ્રેસ ટ્રેન કે મેટ્રો ચલાવવાનો 3 વર્ષનો અનુભવ જરૂરી છે. યુઆર કોટામાં 10, ઓબીસીમાં 5, એસસી 3, એસટીમાં 1 અને ઈકોનોમી માટે 1 કોટા છે. પાયલટને 40 હજારથી 1.25 લાખ સુધીનો બેઝિક પગાર ચૂકવાશે. મિકેનિકલ, ઈલેક્ટ્રિકલ, ઈલેક્ટ્રોનિક્સ, કમ્પ્યુટરમાં ડિપ્લોમા અનુભવ જરૂરી છે.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 18.11.2023
Page No. 3, Size:(14.78)cms X (13.24)cms.

3 years experience required, can apply till 7th December

20 loco pilots will be recruited for Ahmedabad-Mumbai bullet train, training in Japan

નોકરી ન્યૂઝ 3 વર્ષનો અનુભવ જરૂરી, 7 ડિસેમ્બર સુધી અરજી કરી શકાશે

અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન માટે 20 લોકો પાઈલટની ભરતી કરાશે, જાપાનમાં ટ્રેનિંગ

ભાસ્કર ન્યૂઝ | સુરત

નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે દોડનારી પ્રથમ બુલેટ ટ્રેનના લોકો પાઈલટની ભરતી કરવા જઈ રહ્યું છે. આ લોકો પાઈલટને જાપાનની શિનકાનસેન કંપનીમાં બુલેટ ટ્રેન મેનેજમેન્ટની તાલીમ અપાશે. જોકે તાલીમમાં મોકલાતાં પહેલાં તેમને જાપાનીઝ ભાષા શીખવાડાશે. લોકો પાઈલટની તાલીમનો તબક્કો એક વર્ષનો રહેશે. આ ભરતી માટે ફોર્મ ભરવાની છેલ્લી તારીખ 7 ડિસેમ્બર છે. વર્ષ 2026માં અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેનની પ્રથમ ટ્રાયલ સુરત-બિલીમોરા વચ્ચે થશે, જે 50 કિમીની હશે. બુલેટ ટ્રેનના લોકો પાઈલટ માટે વંદે ભારત, રાજધાની, શતાબ્દી સહિતની મેલ એક્સપ્રેસ ટ્રેન કે પછી મેટ્રો ચલવવાનો ઓછામાં ઓછો ત્રણ વર્ષનો અનુભવ હોવો ફરજિયાત છે.

પસંદગી પામનારને 40 હજારથી 1.25 લાખ સુધીનો પગાર ચૂકવાશે

- બુલેટ ટ્રેનના લોકો પાઈલટ માટે ઓછામાં ઓછી ઉમર 35 વર્ષની હોવી જોઈએ. લોકો પાઈલટને રૂ. 40 હજારથી 1. 25 લાખ સુધીનો બેઝિક પગાર ચૂકવવામાં આવશે. મિકેનિકલ, ઈલેક્ટ્રિકલ, ઈલેક્ટ્રોનિક્સ, કમ્પ્યુટર સાયન્સ અને ઈન્ફોર્મેશન ટેક્નોલોજીમાં ત્રણ વર્ષનો એન્જિનિયરિંગ ડિપ્લોમાનો કોર્સ કર્યો હોવો જરૂરી છે. ભરતી અંતર્ગત બાદ સ્કેનિંગ ટેસ્ટ, કમ્પ્યુટર આધારિત ટેસ્ટ, સાઈકો એટિટ્યૂટ ટેસ્ટ, ઈન્ટરવ્યૂ અને મેડિકલ ટેસ્ટ કરવામાં આવશે.
- ભરતી અંતર્ગત જનરલ કેટેગરીમાં 10, ઓબીસીની 5, એસસીની 3, એસટીની એક અને ઈડબ્લ્યુએસ માટે એક જગ્યા રિઝર્વ રખાઈ છે. અમુક બાબતોને છોડતા ભરતીના માપદંડ ભારતીય રેલવેના લોકો પાઈલટની ભરતી જેવા જ છે.

SAMNA, Mumbai, 16.11.2023
Page No. 2, Size:(8.96)cms X (16.43)cms.

Railways Motorman will take charge of the Bullet train ! They will be trained in Japan: NHSRCL will employ 20 posts.

रेल्वेचे मोटरमन करणार बुलेट ट्रेनचे सारथ्य!

जपानमध्ये मिळणार ट्रेनिंग | एनएचएसआरसीएल करणार २० चालकांची भरती

मुंबई, दि. १५ (प्रतिनिधी) - देशातील पहिली बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद मार्गावर धावणार असून त्याचे सारथ्य रेल्वेचे मोटरमन करणार असल्याचे समोर आले आहे. बुलेट ट्रेन चालवण्यासाठी २० चालकांची भरती करण्यासाठी नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने (एनएचएसआरसीएल) रेल्वेचे मोटरमन, लोको पायलट, मेट्रोच्या चालकांकडून अर्ज मागवले आहे. अर्ज केलेल्या उमेदवारांपैकी २० जणांची अंतिम निवड केली जाणार असून त्यांना जपानमध्ये बुलेट ट्रेन चालवण्याचे ट्रेनिंग दिले जाणार आहे.

मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे काम सध्या गुजरातमध्ये प्रगतिपथावर असून २०२७ पर्यंत हा प्रकल्प पूर्ण होणार असल्याचा दावा केला जात आहे. त्या पार्श्वभूमीवर 'एनएचएसआरसीएल'कडून बुलेट ट्रेन ऑपरेटर आणि चालकांच्या नियुक्तीची तयारी सुरू करण्यात आली असून रेल्वेचे मोटरमन, लोको पायलट, मेट्रोच्या चालकांकडून अर्ज मागवले आहेत. त्यानुसार पात्र उमेदवारांना ७ डिसेंबरपर्यंत अर्ज करता येणार आहेत. दरम्यान, निवड झालेल्या अर्जदारांना जपानमध्ये ट्रेनिंग देण्यात येणार असल्याची माहिती नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या एका वरिष्ठ अधिकाऱ्याने दिली. याशिवाय रोलिंग स्टॉक, रोलिंग स्टॉक डेपो, डेटाबेस प्रशासन, वित्त आणि आर्किटेक्चर या पदासाठी अर्ज मागविण्यात आले आहेत.

SAKAL, Mumbai, 16.11.2023
Page No. 3, Size:(12.83)cms X (8.98)cms.

Railways motorman will have Bullet trains charge;: applications are invited for 20 posts of loco pilots,operators and motor men

रेल्वेच्या मोटरमनकडे बुलेट ट्रेनचे सारथ्य!

लोको पायलट, ऑपरेटर आणि चालकांच्या वीस पदांसाठी अर्ज मागवले

मुंबई, ता. १५ : देशातील पहिल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या प्रकल्पाचे काम युद्धपातळीवर सुरू आहे. आता बुलेट ट्रेन ऑपरेटर आणि चालकांच्या वीस पदांसाठी नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनने (एनएचएसआरसीएल) अर्ज मागवले आहेत. नुकतीच त्या संदर्भात जाहिरात प्रकशित केली गेली असून नियुक्ती झालेल्या सर्वांना जपानमध्ये प्रशिक्षण देणार असल्याची माहिती समोर आली आहे. वीस पदांसाठी रेल्वेचे लोको पायलट, मोटरमन आणि मेट्रोचालकांना प्राधान्य देण्यात येणार आहे.

बहुचर्चित आणि बहुप्रतीक्षित देशातील पहिल्या मुंबई ते अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे काम सध्या गुजरातमध्ये प्रगतिपथावर असून २०२७ पर्यंत तो प्रकल्प पूर्ण होणार असल्याचा दावा केला जात आहे. 'एनएचएसआरसीएल'कडून बुलेट ट्रेन चालवणाऱ्या कर्मचाऱ्यांच्या नियुक्तीची तयारी सुरू करण्यात आली आहे. नुकतेच नॅशनल हाय स्पीडने मुंबई-अहमदाबाद हायस्पीड रेल कॉरिडॉरमध्ये बुलेट ट्रेन ऑपरेटर आणि चालकांच्या वीस पदांसाठी अर्ज मागवले आहेत. त्या संदर्भात जाहिरातही देण्यात आली आहे. अर्ज करण्याची अंतिम तारीख ७ डिसेंबर २०२३ आहे. बुलेट ट्रेन ऑपरेटर आणि चालकांच्या पदासाठी रेल्वे आणि मेट्रोचे चालक / ट्रेन ऑपरेटर आणि लोको पायलट अर्ज करू शकतात. विशेष म्हणजे निवड झालेल्या अर्जदारांना जपानमध्ये प्रशिक्षण देण्यात येणार असल्याची माहिती नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या एका वरिष्ठ अधिकाऱ्याने दिली.

काय आहे जाहिरात?

मुंबई-अहमदाबाद हाय स्पीड रेल कॉरिडॉरसाठी नियमित आधारावर कंपनीमध्ये सहभागी होण्यासाठी मेट्रो रेल्वेचे चालक, ट्रेन ऑपरेटर, लोको पायलट, हाय स्पीड रेल पायलट इत्यादींच्या वीस पदांसाठी अर्ज मागवण्यात आले आहेत. त्याशिवाय कॉंट्रॅक्ट, रोलिंग स्टॉक, रोलिंग स्टॉक डेपो, डेटाबेस प्रशासन, ट्रॅक मानव संसाधन, वित्त आणि आर्किटेक्चर पदांसाठी अर्ज मागविण्यात आले आहेत.

२०१ कोटी पाण्यात?

गेल्या वर्षी बुलेट ट्रेनच्या चालकांना प्रशिक्षण देण्यासाठी १२ सिम्युलेटर मशीन खरेदी करण्याचा निर्णय घेतला होता. त्या संदर्भात जपानच्या मेसर्स मित्सुबिशी प्रेसिजन कंपनीशी नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनचा २०१ कोटी रुपयांचा करारही झाला. येत्या अडीच वर्षांत अत्याधुनिक बुलेट ट्रेनचे प्रशिक्षण देणाऱ्या १२ सिम्युलेटर मशीन भारतात दाखल होणार असल्याची माहिती देण्यात आली होती.